कम्प्यूटर सहायक शिक्षण से विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होनेवाले प्रभाव का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2008-2009

मार्गदर्शक
श्री संजय कुमार पंडागले
व्याख्याता, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
संदीप नायका
एम.एड् (आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

2008-2009

कम्प्यूटर सहायक शिक्षण से विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होनेवाले प्रभाव का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

J-286

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड् (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2008-2009

मार्गदर्शक
श्री संजय कुमार पंडागले
व्याख्याता, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
संदीप नायका
एम.एड् (आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा–पत्र

मैं संदीप नायका छात्र एम.एड् (आर.आई.ई.) यह घोषणा करता हूँ कि ''कम्प्यूटर सहायक शिक्षण से विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होनेवाले प्रभाव का अध्ययन'' नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2008–2009 में श्री संजय कुमार पंडागले व्याख्याता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया हैं।

लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड् (आर.आई.ई.) 2008–2009 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं। इस शोध में लिये गये आँकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

स्थानः भोपाल

दिनांकः

2/4/09

शोधकर्ता

संदीप नायका

एम.एड् (आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एन.सी.ई.आर.टी.)

श्यामला हिल्स, भोपाल

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि संदीप नायका ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड् (आर.आई.ई.) उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध ''कम्प्यूटर सहायक शिक्षण से विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होनेवाले प्रभाव का अध्ययन'' हमारे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिककृत परिश्रम का परिणाम है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया हैं। हम आशीर्वाद सहित प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध को एम.एड्. (आर.आई.ई.) बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की परीक्षा सन् 2008–09 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु स्वीकृत प्रदान करते हैं।

28.4.09

स्थानः भोपाल

दिनांकः

निर्देशक

श्री संजय कुमार पंडागले

व्याख्याता, शिक्षा विभाग,

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)

श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध कार्य के निर्देशन का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शन श्री संजय कुमार पंडागले व्याख्याता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को देता हूँ। जिनके निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन में यह शोधकार्य पूर्ण हो सका। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से समय निकाल कर अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतः मैं इनका ऋणी हूँ।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, अधिष्ठाता डॉ. विजय सुनवानी एवं डॉ. एस.के. गोयल विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल तथा एम.एड्. पूर्व प्रभारी डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण एवं एम.एड्. प्रभारी डॉ.के.के. खरे, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. बी.रमेश बाबू, डॉ. एम.यू. पैईली, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनीति खरे, डॉ. बासन्सी खारलुखी, श्रीमती अंजुली सुहाने के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हदय से आभारी हूँ, एवं शिक्षा विभाग के सभी गुरूजनों का मैं हदय से आभारी हूँ।

मैं पुस्तकायल की अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकायल के सभी कर्मचारियों का हदय से आभारी हूँ।

अपने आदरणीय माता–पिता तथा परिवार के शुभ चिन्तकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन–मन–धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया।

28/4/09

शोधकर्ता
संदीप नायका
एम.एड् (आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एन.सी.ई.आर.टी.)
श्यामला हिल्स, भोपाल

स्थानः भोपाल

दिनांकः

अनुक्रमणिका

- घोषणा पत्र
- प्रमाण पत्र
- आभार ज्ञापन

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
अध्याय –प्रथम	शोध– परिचय	1–28
1.1	प्रस्तावना	
1.2	राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विज्ञान तथा कम्प्यूटर शिक्षा	
1.3	सातवीं योजना में भारत में कम्यूटर शिक्षा के उपाय	
1.4	व्यूह रचनाये एवं योजनाएँ	
1.5	अनेक संगठनों की भूमिका	
1.6	भारत में कम्प्यूटर शिक्षा का प्रसार	
1.7	कम्प्यूटर प्रोद्योगिकी और व्यक्तिगत शिक्षण/अधिगम	
1.8	कम्प्यूटर सहायक शिक्षण की परिभाषा	
1.9	कम्प्यूटर सहायक शिक्षण की विशेषताएँ	
1.10	कम्प्यूटर द्वारा कैसे शिक्षा प्रदान की जाती है?	
1.11	कम्प्यूटर सहायक शिक्षण के प्रकार	
1.12	कम्प्यूटर सहायक शिक्षण की आवश्यकता एवं महत्व	
1.13	समस्या कथन	
1.14	समस्या के उद्देश्य	
1.15	अध्ययन की परिकल्पनाएँ	
1.16	तकनीकी शब्दों की परिभाषा	
1.17	शोध की परिसीमाएँ	

अध्याय –द्वितीय संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 29–35

2.1 प्रस्तावना

2.2 कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में किये गये अध्ययन

2.3 विदेशों में प्रौद्योगिकीय आवधारणा से संबंधित किये गये अध्ययन

2.3.1 प्रौद्योगिकीय आवधारणा व अभिवृत्ति से संबंधित अध्ययन

अध्याय –तृतीय शोध–प्रविधि 36–39

3.1 प्रस्तावना

3.2 समस्या कथन

3.3 न्यादर्श चयन की प्रक्रिया

3.4 न्यादर्श की विशेषताएँ

3.5 शोध के चर

3.6 शोध में प्रयुक्त उपकरण

3.7 शोध संबंधी उपकरण का निर्माण

3.8 प्रयुक्त सांख्यिकीय

अध्याय –चतुर्थ प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 40–44

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण

अध्याय –पंचम शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव 45–51

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या कथन

5.3 शोध के चर

5.4 अध्ययन के उद्देश्य

5.5 अध्ययन की परिकल्पना।

5.6 न्यादर्श चयन की प्रक्रिया

5.7 शोध में प्रयुक्त उपकरण

5.8 शोध संबंधी उपकरण का निर्माण

5.9 शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय

5.10 शोध निष्कर्ष

5.11 सूचना एवं सुझाव

5.11.1 शिक्षक के लिए सुझाव

5.11.2 अभिभावक के लिए सुझाव

5.11.3 विद्यार्थियों के लिए सुझाव

5.11.4 आगे संशोधन के लिए सुझाव

- संदर्भ ग्रंथ सूची 52
- परिशिष्ट I